कौलेक्ट

हे सर्व शक्तिमान परमेश्वर, आपके प्रिय पुत्र प्रभु यीशु ने अपनी स्वतन्त्र इच्छा से अपना जीवनअर्पित कर दिया ताकि वह समस्त संसार में बिखरी हुई आपकी संतान को आपके पास वापस ले आएं| वर दीजिए कि हम आपसे और एक दुसरे से फिर जुड़ जाएँ, और इस प्रकार एक परिवार के रूप में आपके राज्य की एकता और शांति में जीवन व्यतीत करें, हमारे प्रभु यीशु के द्वारा, जो आपके और पवित्र आत्मा के साथ एक परमेश्वर है, और अब तथा सदा-सर्वदा जीवित और राज्य करता है| **आमनि**

Please pray for our church family members who are in need of your prayer support:

Ms. Sanjivani Agarwal, Master Isaiah, Mr. Eugene Samuel, Mrs Sujaya Kingston, Rev. G H Grose, Mrs. Hilda Immanuel, Ms. Shiela Choudhary, Mrs. E. S. Ruskin, Mr. Neelu Joseph, Ms. Mellisa Dass, Mrs. Virginia Sen, Mr. Suresh Kukde, Mrs. Jyotika Suraj, Mrs. Savitri, Mrs. Cynthia Nathaniel, Mr. Samuel Robert, Mr. Senthil Kumar, Mr. Raphael Satyavrata, Mr. Emmanuel Soren and Mrs. Sheela Singh. Pray for the relief from the corona virus around the globe.

BIRTHDAYS & ANNIVERSARIES	

NOTICES

•

GREEN PARK FREE CHURCH

CNI, Diocese of Delhi,

A-24 Green Park, New Delhi-110016

पुनरुस्थान–पर्व के पूर्व दूसरा रविवार

29 मार्च 2020

प्रभु यीशु की मृत्यु का अर्थ

Presbyter-in-Charge	Associate Presbyter	Hon. Secretary	Hon. Treasurer
Rev Dr Paul Swarup 9811397771	**Rev. Vishal R. Paul** 9313912594, 8700784065	**Mr. Dennis Singh** 9811269792, 8700319032	**Mrs. Kiran Mohan** 9811477154

Regular Sunday Service

Hindi: 8:30 a.m., English: 10:30 a.m., Evening Worship: 5:30 p.m.

Church Office: 011– 42637508, 26561703,

officegpfc@gmail.com, gpfc.delhi@gmail.com

www.freechurchgreenpark.com

PLEASE SWITCH OFF YOUR MOBILE PHONES WHILE IN THE CHURCH

Pastor Writes

आप सब को जय मसीह की! इस समय हम गंभीर परीक्षा के दोर से गुज़र रहे है। पूरा देश पिछले एक सप्ताह से बंद है और वर्तमान हमे पता है की कम से कम दो सप्ताह और इसी तरह हमे रहना है। कोरोना वायरस सभी मानवता पर अपने घातक डंक को फेल्ला रहा है। इटली, चीन, स्पेन, अमेरिका में हजारों लोग मारे गए हैं। कई अन्य देश इस हमले की चपेट में हैं क्योंकि संक्रमण की व्यापकता ने चिकित्सा सेवाओं को गंभीर तनाव में डाल दिया है। हम भारत में अभी चरण 3 में हैं और संक्रमण धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से फैल रहा है। सरकार इसके प्रसार को धीमा करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है यदि इसे फेलने से रोका ना जा सके। भविष्य में क्या है, इस बारे में भय और असुरक्षा की गहरी भावना है। यह वायरस मनुष्य की मृत्यु दर के बारे में सच्चाई को पुख्ता करता है। मनुष्य की आयु घास के समान होती है, वह मैदान के फूल की नाईं फूलता है, जो पवन लगते ही ठहर नहीं सकता, और न वह अपने स्थान में फिर मिलता है। यह इस संदर्भ में है कि हमें मसीह की मृत्यु का अर्थ बताने के लिए कहा जाता है और हमारे लिए इसका क्या अर्थ है। मसीह की मृत्यु वास्तव में हमारे जीवन को अर्थ देती है।

आज सुबह के लिए हमारा विषय है, 'प्रभु यीशु की मृत्यु का अर्थ।'मसीह की मृत्यु का हमारे लिए क्या मतलब है? यह क्या दर्शाता है? दो हजार साल पहले जिस आदमी को सूली पर चढ़ाया गया था, उससे हम क्या मतलब निकाल सकते हैं? क्या उसकी मौत हमारे जीवन को किसी भी तरह से बदल देती है? - वे सभी प्रश्न हैं जो हमारे दिमाग में तब चलते हैं जब हम मसीह की मृत्यु के बारे में सोचते हैं। मसीह की मृत्यु के बारे बाइबल हमें क्या बताती है? रोमियों को लिखे पत्र में, पौलुस बताता है कि सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हो गए हैं। लेकिन वह आगे कहते हैं, 'परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं। उसे परमेश्वर ने उसके लोहू के कारण एक ऐसा प्रायश्चित्त ठहराया, जो विश्वास करने से कार्यकारी होता है, कि जो पाप पहिले किए गए|'(रोम 3: 24-25) पौलुस से पता चलता है कि मसीह की मृत्यु के माध्यम से इस व्यवस्था को मानने वाले सभी लोगों के लिए उद्धार उपलब्ध है। परमेश्वर ने हमारे पापों के लिए यीशु को मरने के लिए आगे रखा ताकि हम परमेश्वर के साथ शांति बना सकें। हम कुरिन्थियों अध्याय में पौलुस के दूसरी पत्री में देखेंते।5:11-21.

मसीह की मृत्यु पौलुस को तयार करती है की वो दूसरों को सुसमाचार पर प्रत्युत्तर देना के लिए प्रेरित करें। पौलुस इस बारे में चि तित नहीं है कि दूसरे उसके बारे में क्या सोचते हैं। उसने पापों की क्षमा और मसीह में अनन्त जीवन के उपहार का अनुभव किया है। उनकी ज़िन्दगी सतानेवाले से बदलकर विश्वास की घोषणा करने वाले व्यक्ति की हो गयी। इसलिए, अब वह दूसरों को मसीह में विश्वास करने के लिए मनाने के लिए बाहर निकला। वह इस बारे में चितित नहीं है कि दूसरे उसके बारे में क्या सोचते हैं। वे उसे पागल मान सकते हैं, लेकिन वह कहता है कि वह अपने जीवन के तरीके को नहीं बदलेगा क्योंकि उसकी अंतरात्मा स्पष्ट थी और वह परमेश्वर और अपने लोगों के प्यार के कारण रहा था। इसी तरह, हमारे लिए चुनौती यह भी है कि हम दूसरों को मसीह की मृत्यु का अर्थ समझने के लिए राजी करें। कैसे पापों की क्षमा और उसके माध्यम से अनन्त जीवन की आशा है।

दूसरी बात, मसीह का प्रभावपूर्ण प्रेम उसकी मृतु के माध्यम से प्रगट हुआ जो हमें हमारा जीवन मसीह में होकर जीने के लिए प्रेरित कर ता है। पौलुस अब **कुरिन्थियों** को बता रहा है कि यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया। पौलुस हमें याद दिलाता है कि पाप की मजदूरी मृत्यु है और हम सभी को हमारे पापों के कारण मरना पडेगा। लेकिन इसके बजाय मसीह ने क्रूस पर हमारी जगह ली ताकि हम जीवित रहें। इसलिए, जब हम अपना जीवन जीते हैं तो हम इसे यीशु के लिए जीने वाले होते हैं।

अंत में, मसीह की मृत्यु हमें एक नई सृष्टि बनाती है और यह हमें मेल-मिलाप का सेवक बनाती है। हम सभी पापों की क्षमा और पवित्र आत्मा के उपहार के माध्यम से नए बने हैं। नई रचना स्वयं हमारे अपने कामो से नहीं है बल्कि यह परमेश्वर की ओर से एक उपहार है। यदि हम मसीह में एक नई रचना हैं तो हम अलग होंगे। हम दुनिया की तरह नहीं होंगे। हम सच्चाई की राह पर चलेंगे। सच्चाई और निष्ठा हमारे जीवन का हिस्सा होगी। झूठ और छल को जाना होगा। पुरानी आदतों को छोड़े। स्वयं को मरना पड़ता है। शक्ति और गर्व, लोकप्रियता और सफलता, धन और लालच सभी को जाना है। इसके बजाय हमें विनम्रता, अखंडता और सादगी के जीवन का नेतृत्व करने के लिए कहा जाता है क्योंकि हम परमेश्वर और धन-दौलत की सेवा एक साथ नहीं कर सकते। परमेश्वर हमें यीशु की मृत्यु के अर्थ को समझने में मदद करें और हम दूसरों को इस सुसमाचार को बाटें क्यूंकि हम खुद इसके द्वारा परिवर्तित हो रहे हैं।

शालोम
पॉल स्वरूप

प्रार्थना क्रम

प्रार्थना की बुलाहट

यीशु ने कहा, "वह समय आ गया है, कि मनुष्य के पुत्र कि महिमा हो। मैं तुम से सच सच कहता हूं, कि जब तक गेहूं का दाना भूमि में पड़कर मर नहीं जाता, वह अकेला रहता है परन्तु जब मर जाता है, तो बहुत फल लाता है।" (योहन्ना 12: 23-24)

धर्मसेवक	विशाल पॉल	
प्रारंभिक गीत	न. म. गी. कि. 213	प्रभु महान विचारू कार्य तेरे
तैयारी	क्रम संख्या 3 से 5	विशाल पॉल
प्रथम पाठ	यशायाह 50:4-10	
दूसरा पाठ	2 कुरि. 5:11-19	
गीत	न. म. गी. कि. 52	आओ जग के लोग सब ही
सुसमाचार	योहन्ना 11:45-53	विशाल पॉल
उपदेश		
निकाया का अक़ीदा	क्रम संख्या 14	सब
सूचनाएँ		पॉल स्वरूप
सिफ़ारशी दुआएँ	क्रम संख्या 16	
गुनाहों का इक़रार	क्रम संख्या 17– 19	विशाल पॉल
क्षमादान और शांति अभिवादन	क्रम संख्या 20 और 22	पॉल स्वरूप
प्रार्थना और हदिये का गीत	न. म. गी. कि. 78 यीशु तूने किया निहाल **जो लोग इस हफ्ते अपना जन्मदिन और सालगिरह मना रहे हैं.**	
आशीष वचन	क्रम संख्या 45	पॉल स्वरूप
अन्तिम गीत	न. म. गी. कि. 68	पावन है वह प्रभु हमारा उसकी जय